

॥ ऋण एवं रोग नाशक प्रदोषस्तोत्रम् ॥

जय देव जगन्नाथ जय शङ्कर शाश्वत ।  
जय सर्वसुराध्यक्ष जय सर्वसुरार्चित ॥ १ ॥

जय सर्वगुणातीत जय सर्ववरप्रद ।  
जय नित्य निराधार जय विश्वभराव्यय ॥ २ ॥

जय विश्वैकवन्द्येश जय नागेन्द्रभूषण ।  
जय गौरीपते शम्भो जय चन्द्रार्धशेखर ॥ ३ ॥

जय कोट्यर्कसङ्काश जयानन्तगुणाश्रय ।  
जय भद्र विरूपाक्ष जयाचिन्त्य निरञ्जन ॥ ४ ॥

जय नाथ कृपासिन्धो जय भक्तार्तिभञ्जन ।  
जय दुस्तरसंसारसागरोत्तारण प्रभो ॥ ५ ॥

प्रसीद मे महादेव संसारार्तस्य खिद्यतः ।  
सर्वपापक्षयं कृत्वा रक्ष मां परमेश्वर ॥ ६ ॥

महादारिद्यमग्रस्य महापापहतस्य च ।  
महाशोकनिविष्टस्य महारोगातुरस्य च ॥ ७ ॥

ऋणभारपरीतस्य दद्यमानस्य कर्मभिः ।  
ग्रहैः प्रपीड्यमानस्य प्रसीद मम शङ्कर ॥ ८ ॥

दरिद्रः प्रार्थयेद्देवं प्रदोषे गिरिजापतिम् ।  
अर्थाद्यो वाऽथ राजा वा प्रार्थयेद्देवमीश्वरम् ॥ ९ ॥

दीर्घमायुः सदारोग्यं कोशवृद्धिर्बलोन्नतिः ।  
ममास्तु नित्यमानन्दः प्रसादात्तव शङ्कर ॥ १० ॥

शत्रवः संक्षयं यान्तु प्रसीदन्तु मम प्रजाः ।  
नश्यन्तु दस्यवो राष्ट्रे जनाः सन्तु निरापदः ॥ ११ ॥

दुर्भिक्षमरिसन्तापाः शमं यान्तु महीतले ।  
सर्वसस्यसमृद्धिश्च भूयात्सुखमया दिशः ॥ १२ ॥

फलश्रुति :

एवमाराथयेद्वं पूजान्ते गिरिजापतिम् ।  
ब्राह्मणान्भोजयेत् पश्चाद्वक्षिणाभिश्च पूजयेत् ॥ १३ ॥

सर्वपापक्षयकरी सर्वरोगनिवारणी ।  
शिवपूजा मयाऽऽख्याता सर्वाभीष्टफलप्रदा ॥ १४ ॥

- प्रदोष स्तोत्र का नित्य पाठ करने से भगवान शिव की कृपा से ऋण नाश , रोग नाश , दरिद्रता नाश , रोग नाश होता है ! इस स्तोत्र का १० हजार पाठ करने से एक अनुष्ठान पूर्ण होता है ! नित्य मनोकामना बोलकर 11 पाठ करें ! त्रयोदशी के दिन प्रदोष व्रत रखकर रात्रि में इस स्तोत्र का पाठ करने से विशेष फल प्राप्त होता है !

द्वारा :

श्रद्धदेय स्वामी रूपेश्वरानन्द जी महाराज  
स्वामी रूपेश्वरानन्द आश्रम , बलुआ घाट, जिला- चंदौली ( काशी क्षेत्र ),  
उत्तर प्रदेश ( भारत )  
Mo.No.+91- 7607233230, E-mail – [srs.balua@gmail.com](mailto:srs.balua@gmail.com)  
अधिक जानकारी के लिए देखें : <http://swamirupeshwaranand.in/>